आइआइएम रांची. खेलगांव में मनाया गया नौवां स्थापना दिवस, राज्यपाल ने कहा

कौशल और जीत की भावना विकसित करें

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची का नौवां स्थापना दिवस मना. इस समारोह का गवाह खेलगांव स्थित डॉ रामदयाल मुंडा कला भवन सभागार बना. गुरुवार को आयोजित समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही. साथ ही बेहतर प्रदर्शन करनेवाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. मुख्य अतिथि राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज दुनिया में प्रतिस्पर्धा बढ़ गयी है. इस वजह से कौशल विकसित करने के अलावा एक जीत की भावना को भी विकसित करने की आवश्यकता है.

किसी भी संस्थान के लिए विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन देना जरूरी है. आइआइएम प्रतिष्ठित संस्थान है. नये आइआइएम श्रेणी में यह संस्थान खुद को काफी विकसित किया है. इस दौरान क्विज का भी आयोजन किया गया. इसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखायी.

विद्यार्थियों को मिला सम्मान

निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह व चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या ने संस्थान के पीजीडीएम व पीजीडीएचआरएम सत्र 2016-18 बैच के विद्यार्थियों को सम्मानित किया. सम्मान पानेवालों में पीजीडीएम के गौतमी मखनैनी, कीर्तन शर्मा व रणविजय थे. वहीं, पीजीडीएचआरएम से जितेंद्र मोदी, गौरव घोष व कार्तिक कृष्ण शमी शामिल रहे.

आइआइएम के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया.

निदेशक शैलेंद्र सिंह ने कहा संस्थान ने जोड़े हैं कई आयाम

संस्थान के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने कहा कि 44 विद्यार्थियों से शुरू हुआ यह संस्थान अब तक कई आयाम जोड़ चुका है. आज यहां 500 विद्यार्थी और दो दर्जन से अधिक फैकल्टी हैं. यहां पीजीडीएचआरएम, पीजीडीएम व पीजीइएक्सपी जैसे कोर्स उपलब्ध हैं. जल्द ही फैलो प्रोग्राम इएक्सपीएम शुरू होने जा रहा है. इसकी मंजूरी बोर्ड ऑफ गवर्नेंस ने दे दी है. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आइआइएम रांची उन सभी आइआइटी या आइआइएम में पहला ऐसा संस्थान है जहां लड़कियों की संख्या ज्यादा है. यहां प्लेसमेंट का आंकड़ा भी 100 फीसदी है. यहां के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं.

देश कैसे तरक्की करे, इसकी जिम्मेदारी आप युवाओं पर है

आइआइएम के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या ने कहा कि यह संस्थान अभी युवा है. इसकी वैल्यू देश-दुनिया में बढ़ती जा रही है. जिस तकनीकी रूप से दुनिया आगे बढ़ रही है उसके अनुरूप छात्रों को खुद को विकसित करना होगा. देश कैसे तरक्की करे, इसकी जिम्मेदारी आप युवाओं पर है. झारखंड की प्राकृतिक संपदा की पृष्ठभूमि पर बात रखते हुए कहा कि यहां माइनिंग की जितनी संभावनाएं हैं उसके अनुरूप काम नहीं हो रहा है. ऑस्ट्रेलिया व कनाडा में जिस तरह से माइनिंग का काम हो रहा है वैसी माइनिंग पॉलिसी बनाने की आवश्यकता है. इस जरूरत को पूरा करने में आइआइएम रांची की भूमिका हो सकती है. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप दुनिया के दूसरे देशों की माइनिंग पॉलिसी और काम करने के तरीकों पर शोध कर राज्य के अनुरूप रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं. उन्होंने तकनीक पर जोर देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को बदलते तकनीक से खुद को जोड़ने की आवश्यकता है. इस दौरान उन्होंने ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी के बारे में बताया.

Prabhat Khabar, 16.12.2017, Pg. 25

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की विद्यार्थियों ने की तारीफ.

क्लासिकल के साथ बॉलीवुड डांस

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत अंकिता चक्रवर्ती व प्रियंका लामा के ग्रुप क्लासिकल डांस से हुआ. इन दोनों छात्राओं ने महिषासुर मर्दिनी व शिव तांडव पर क्लासिकल डांस पेश किया. वहीं, बलरी भौमिक व सौमिता नंदी के सोलो परफॉरमेंस ने सबको झुमाया. शाम भी अजीब थी... व तेरे मेरे सपने अब एक ही रंग है... लग जा गले की फिर वो हसी रात हो ना हो... व आओगे जब साजना तब फूल खिलेंगे... जैसे गाने गाये. इसके अलावा आइआइएम के छात्र-छात्राओं का ग्रुप डांस भी हुआ.

Prabhat Khabar, 16.12.2017, Pg 25